चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28-02-23	5	1-6

'प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में सरकार कई योजनाएं कर रही तैयार'

कृषि अधिकारियों ने जलवायु परिवर्तन को लेकर रखे विचार, बोले - प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग

हिसार, 27 फरवरी (राठी): वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। इस समय वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस प्रकार से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है उसको देखते हुए प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग है। साथ ही ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। इससे किसानों को बहुत फायदा होगा।

उल्लेखनीय है कि प्राकृतिक खेती की तरफ से हर वर्ष इसका लक्ष्य बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी बिजाई (डी.एस.आर.) का लक्ष्य 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। साथ ही समर मूंग का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार 1 लाख एकड़ का लक्ष्य रहेगा।

कृषि अधिकारियों की कार्यशाला शुरू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण

कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद कुलपति बी.आर काम्बोज व अन्य।

विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आर.एस सोलंकी ने कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का स्वागत किया व मंच संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। इस कार्यशाला के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखेंगे।

हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र अपनाना होगा

कार्यशाला के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं। इसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्दी या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक स्टिक विश्लेषण मिल सकेंगे। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस (जी.ए.पी) विकसित किया जा रहा है, जिसको किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकेंगे।

किसानों को सरल तरीके से जानकारियां दी जाएं

डॉ. सुमिता मिश्रा ने वैज्ञानिकों से बागवानी खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल और सहज तरीके से उन तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने की बात कही। इसके अलावा हर किसान को सोइल हेल्थ कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत

कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपने खेती खर्च कम करके और अपने उत्पाद में वैल्यु एडिशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.02.23	5	7-8

एचएयू में स्थापित होगी गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस यूनिट

किसानों को सटीक खेतबाड़ी के सिखाएंगे गुर

मंच पर मौजूद कुलपति बी.आर काम्बोज सहित अन्य।

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। इस दौरान किसानों को लाभान्वित करने के लिए प्राकृतिक खेती से लेकर मौसम की सटीक जानकारी को लेकर विचार विमर्श किया गया। प्रदेशभर के किसानों के लिए एचएयू में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिस यूनिट स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि किसानों को जहां समय वाइज खेतीबाड़ी के गुर सिखाए जायेंगे। उन्हें खेती में यूरिया और अन्य के प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी जाएगी,ताकि कृषि उत्पादन के दौरान प्रकृति को भी किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचे।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न विस्तार गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आर.एस सोलंकी ने कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहूजा ने सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28.02.23	4	2-5

प्रदेश में खरीफ सीजन के दौरान 20 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती का लक्ष्य : सुमिता

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने दी जानकारी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल की कुलपति डा. सुमिता मिश्रा एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के महानिदेशक डा. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि डा. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) का लक्ष्य 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। साथ ही समर मूंग का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार 1 लाख एकड़ का लक्ष्य रहेगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभाग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे बागवानी खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल और सहज तरीके से उन तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने की बात कही। इसके अलावा हर किसान को सोइल हेल्थ कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है।कृषि महानिदेशक डा. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपने खेती खर्च कम करके और अपने उत्पाद में वैल्यू एडिशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) डा. आरएस सोलंकी ने कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आईजी सभागार में कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ करते डा. सुमिता मिश्रा व अन्य। • जागरण

ब्लाक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला की जरूरत

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के माडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। हमें ब्लाक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक सटीक विश्लेषण मिल सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.02.23	5	1-3

प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ का लक्ष्य : डॉ. सुमिता मिश्रा

कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद कुलपति बी.आर काम्बोज व एसीएस डॉ. सुमिता मिश्रा सहित अन्य।

हिसार, 27 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) का लक्ष्य 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। साथ ही समर मूंग का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार 1 लाख एकड़ का लक्ष्य रहेगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है, जिसके लिए कृषि विभग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा, बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। वैज्ञानिक्रों से आह्वान किया कि वे बागवानी खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल और सहज तरीके से उन तक पहुंचाने के लिए कदम उठाने की बात कही। इसके अलावा हर किसान को सोइल हेल्थ कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है।

कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपने खेती खर्च कम करके और अपने उत्पाद में वैल्यु एडिशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने देश के खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महत्पवपूर्ण योगदान की प्रशंसा की।

इस कार्यशाला के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.02.23	5	6-8

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग: प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए है, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्दी या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक स्टिक विश्लेषण मिल सकेंगे। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जी.ए.पी) विकसित किया जा रहा है जिसको किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	28.02.23	5	4-8

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग: कंबोज

हिसार (सच कहूँ/श्याम सुन्दर मरदाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज रहे। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. कंबोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए है, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्दी या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक सटिक विश्लेषण मिल सकेंगे। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जी.ए.पी) विकसित किया जा रहा है जिसको किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	28-02-23	2	1-4

बढ़ता तापमान गेहूं के लिए चुनौती, किसानों को अपने सुझाव दें वैज्ञानिक : सुमिता मिश्रा

एचएयू में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला शुरू, फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि पिछले वर्ष तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी से 15 से 20 प्रतिशत तक गेहूं का उत्पादन गिर गया था। इस बार फिर से फरवरी में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को बदलते मौसम में फसलों को नुकसान से बचाने के लिए अपने सुझाव दें। मौसम के बदलाव को सहन कर सकने वाली किस्मों को विकसित करें। वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्र स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिसमें एसीएस सुमिता मिश्रा ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए छह हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई गयी।

किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देंगे। खरीफ सीजन में 20 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती का लक्ष्य होगा। धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) का लक्ष्य एक लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। समर मूंग का लक्ष्य एक लाख एकड़ किया है। ढैंचा को हरी खाद के रूप में उगाने का छह लाख एकड़ का लक्ष्य है। जिसके लिए कृषि विभाग 75 फीसदी अनुदान पर ढैंचा का बीज उपलब्ध करवाएगा। किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड दिए जाएंगे।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कॉम्बोज ने कहा कि हरियाणा की मिट्टी तथा जलवायु में काफी अंतर है। ऐसे में हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र तथा अलग किस्मों को अपनाना होगा।

वैज्ञानिकों से मौसम रोधी फसलों को विकसित करने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनानी होगी। जिससे कम समय में अधिक स्टीक जानकारी दे सकेंगे।

एचएयू में आयोजित कार्यशाला में मंच पर उपस्थित एसीएस सुमिता मिश्रा, एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। संवाद

दस एकड़ में विकसित करेंगे जीएपी

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जीएपी) विकसित किया जा रहा है। जिसमें सभी मॉडल अपनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रों तथा किसानों के खेतों में भी बनाएंगे। जिससे किसान अधिक प्रेक्टिकल जानकारी ले सकेंगे।

किसानों की लागत घटानी होगी

कृषि विभाग के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि हमें किसानों की लागत कम करनी होगी। फसलों के अच्छे दाम दिलाने के लिए उत्पाद में वैल्यू एडिशन कराना होगा।

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने पिछले एक साल की उपलब्धियों की जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने एचएयू की ओर से विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी दी। अतिरिक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आरएस सोलंकी ने खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का स्वागत किया। मंच संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। इस कार्यशाला में सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	28-02-23	3	1-5

कार्यशाला

प्रदेश भर से कृषि अधिकारी तथा वैज्ञानिक करेंगे मंथन

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग: कुलपति

पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विवि के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखेंगे। मुख्यातिथि कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए है, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्दी या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक स्टिक विश्लेषण मिल सकेंगे। विवि में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जी.ए.पी) विकसित किया जा रहा है।

20 हजार एकड़ का लक्ष्य : डॉ. मिश्रा

डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिदेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रुझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	27.02.2023	--------	---------

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग : प्रो. काम्बोज

समाज हरियाणा न्यूज

हिसार, 27 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रहे जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए हैं, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण अनुकूलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने गर्मी या पाला से फसल बचाव होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें ब्लॉक स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है जिससे किसानों को कम समय में और अधिक सटीक पूर्वानुमान मिल सकेगी। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुरु गोरखनाथ प्रोजेक्ट [illegible] विकसित किया जा रहा है जिससे किसान अच्छे मूल्य में अधिकतम फायदा उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर चर्चा करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) को लगभग 1 लाख एकड़ से बढ़ाकर 2 लाख एकड़ रखा है। [illegible] लाख एकड़ का लक्ष्य रखा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर मृदा स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए ढैंचा की हरी खाद के रूप में उत्पादन को 6 लाख एकड़ का लक्ष्य है जिसके लिए कृषि विभाग 75 प्रतिशत अनुदान पर बीज किसानों को उपलब्ध करवाएगा। हर किसान को मृदा हेल्थ कार्ड देने की योजना सरकार की तरफ से चलाई जा रही है। कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपनी खेती खर्च कम करके और अपने उत्पाद में वैल्यू एडिशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने देश के खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न विस्तार गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसलों के लिए तैयार की गई विस्तृत रणनीति की जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का स्वागत किया व मंच संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया। इस कार्यशाला के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने खरीफ फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए अपने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हरिभूमि	28.02.2023	-------	--------

3

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग : प्रो. बी.आर काम्बोज

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ का लक्ष्य : डॉ. सुमिता मिश्रा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा एवं कुलपति महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल डॉ. सुमिता मिश्रा व महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल लगाए गए है, जिसमें किसान प्रत्यक्ष रूप से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। वातावरण असंतुलन को देखते हुए हमें हर क्षेत्र के लिए विशेष फसल चक्र को अपनाना होगा। उन्होंने सर्दी या पाला से फसल खराब होने से बचाने के लिए वैज्ञानिकों को शोध करने के लिए आह्वान किया। हमें जनपद स्तर पर मौसम प्रयोगशाला बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक सटिक विश्लेषण मिल सकेंगे। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में गुड एग्रीकल्चर प्रेक्टिस (जी.ए.पी) विकसित किया जा रहा है जिसको किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा ले सकेंगे।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है। गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए 6 हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी। प्राकृतिक खेती को तरफ किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पान्च बजे	27.02.2023	-------	--------

प्राकृतिक खेती और मौसम की सटीक भविष्यवाणी समय की मांग : प्रो. काम्बोज

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	27.02.2023	--------	--------

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की योजनाएं बना रही सरकार : डा. सुमिता मिश्रा

27 Feb 2023 19:14:11

एचएयू में शुरू हुई दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला

हिसार, 27 फरवरी (हि.स.)। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा ने कहा है कि वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है। इससे निपटने के लिए सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं तैयार कर रही है।

डा. सुमिता मिश्रा सोमवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुरू हुई दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि गत वर्ष कृषि विभाग ने प्रदेश में 2500 एकड़ के लक्ष्य को पार करते हुए छह हजार एकड़ में प्राकृतिक खेती करवाई थी।

प्राकृतिक खेती की तरफ किसानों के बढ़ते रूझान को देखते हुए विभाग किसानों को जीवामृत व बीजामृत बनाने की ट्रेनिंग देगा, जिससे आने वाले खरीफ सीजन में प्राकृतिक खेती के अंतर्गत 20 हजार एकड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस साल सरकार ने धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) का लक्ष्य एक लाख एकड़ से बढ़ाकर दो लाख एकड़ रखा है। साथ ही [illegible] का लक्ष्य पहले 10 से 15 एकड़ था लेकिन इस बार एक लाख एकड़ का लक्ष्य रहेगा।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि जैविक कार्बन बढ़ाकर भूमि स्वास्थ्य को [illegible] बढ़ाने के लिए ढैंचा का [illegible] एक लाख एकड़ का लक्ष्य है। जिसके लिए कृषि विभाग [illegible] प्रतिशत अनुदान दे रहा है और किसानों को उपलब्ध करवाएगा। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों तक सरल और सहज तरीके से इस तकनीक पहुंचाने के लिए [illegible] की दिशा में काम करें।

कृषि महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ ने इस अवसर पर बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। किसान अपनी खेती खर्च कम करके और अपने उत्पाद से वैल्यू एडिशन कर अच्छा मुनाफा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने देश के खाद्यान्न उत्पादन में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि एवं कार्यवाहक कुलपति डा. बीआर कम्बोज ने कहा कि हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्रों में प्राकृतिक खेती के मॉडल बनाए गए हैं, जिससे किसान [illegible] से जानकारी हासिल कर प्राकृतिक खेती को अपना सकेंगे। [illegible] अनुकूलन को देखते हुए हर क्षेत्र के लिए विशेष [illegible] का आंकलन होगा। उन्होंने [illegible] के लिए वैज्ञानिकों को [illegible] करने के लिए आह्वान किया। बड़े [illegible] पर [illegible] प्रयोगशालाएं बनाने की जरूरत है, जिससे किसानों को कम समय में और अधिक मिट्टी [illegible] हो सकेगी। विश्वविद्यालय में 10 एकड़ में [illegible] (आईएफएस) विकसित किया जा रहा है जिससे किसान अपने खेतों में अपनाकर फायदा उठा सकेंगे।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला की विस्तृत जानकारी देते हुए निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न विस्तार गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। इस कार्यशाला के दौरान प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सभी जिलों के कृषि उपनिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वयक व विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्षों ने [illegible] की [illegible] सिफारिशों के लिए अपने विचार रखेंगे।

मुख्य खबरें

[illegible] उद्योगों को बढ़ावा...

मुनाफाखोरी नहीं, अंत्योदय उत्थान का है लक्ष्य...

हरियाणा के पंचायत मंत्री की भाजपा अध्यक्ष को...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.02.23	2	7-8

एचएयू में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

सिटी रिपोर्टर • चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सज्जन कुमार व राजेन्द्र सैनी मुख्य वक्ता थे। सज्जन कुमार ने स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति बारे जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वहीं, राजेन्द्र सैनी ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर एवं रक्त दान विषय पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुतले के माध्यम से सीपीआर करके भी दिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अभ्यास करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28-02-23	3	1-3

हकृवि में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

हिसार, 27 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सज्जन कुमार व राजेन्द्र सैनी मुख्य वक्ता थे। सज्जन कुमार ने स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति बारे जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वहीं राजेन्द्र सैनी ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक चिकित्सा, सी.पी.आर. एवं रक्त दान विषय पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुतले के माध्यम से सी.पी.आर. करके भी दिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अभ्यास करवाया।

शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योगाभ्यास के साथ हुई, जिसमें श्री रोहताश कुमार ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास करवाया व योग के महत्व बारे अवगत करवाया। स्वयंसेवकों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

योगाभ्यास करते स्वयंसेवक।

शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब व दिल्ली के स्वयंसेवकों ने अपने प्रांत की संस्कृति का प्रदर्शन किया व बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियां देकर सभी श्रोताओं का मनमोह लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	28.02.23	9	5-6

हकृवि के राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय समागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सज्जन कुमार व राजेन्द्र सैनी मुख्य वक्ता थे। सज्जन कुमार ने स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति बारे जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वहीं राजेन्द्र सैनी ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर एवं रक्त दान विषय पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुतले के माध्यम से सीपीआर करके भी सिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अभ्यास करवाया। शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योगाभ्यास के साथ हुई जिसमें रोहताश कुमार ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास करवाया व योग के महत्व बारे अवगत कराया। स्वयंसेवकों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू-कश्मीर, पंजाब व दिल्ली के स्वयंसेवकों ने अपने प्रांत की संस्कृति का प्रदर्शन किया व बहुत ही सुंदर प्रस्तुतियां कर सभी श्रोताओं का मनमोह लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	28.02.23	5	6

हकृवि के राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

हिसार, 27 फरवरी (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में दूसरे दिन सज्जन कुमार व राजेन्द्र सैनी मुख्य वक्ता थे। सज्जन कुमार ने स्वयंसेवकों को नशा मुक्ति बारे जागरूक किया व उनकी जिज्ञासा का भी समाधान किया। वहीं राजेन्द्र सैनी ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर एवं रक्तदान विषय पर जागरूक किया। उन्होंने मानव पुतले के माध्यम से सीपीआर करके भी दिखाया एवं स्वयंसेवकों को भी इसका अभ्यास करवाया। शिविर के दूसरे दिन की शुरूआत योगाभ्यास के साथ हुई जिसमें रोहताश कुमार ने स्वयंसेवकों को योगाभ्यास करवाया व योग के महत्व बारे अवगत कराया। स्वयंसेवकों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	27.02.2023	--------	--------

हकृवि के राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को सिखाया योगाभ्यास

राजकीय महिला महाविद्यालय में सांगीतिक वाद्य यंत्रों की पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	27.02.2023	--------	--------

आत्मनिर्भर भारत बनाने में स्वयंसेवकों की अहम भूमिका : प्रो. बी.आर काम्बोज

राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, विभिन्न प्रदेशों के स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 27 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली में क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया। कुलपति बी.आर काम्बोज ने बताया कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम की भावना की व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है। उन्होंने स्वयंसेवकों को बताया कि हरियाणवी संस्कृति को समझने के साथ-साथ, यहां का खाना जैसे दूध, दही, मोटे अनाजों का चूरमा व अन्य पौष्टिक व्यंजनों का आनंद लें। विशिष्ट

अतिथि क्षेत्रीय निदेशक जैंगजिलांग ने विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि के क्षेत्र में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने हकृवि के अंतरराष्ट्रीय स्तर की मुलाधार और आत्मनिर्भर भारत में योगदान के लिए सराहना की। उन्होंने बताया कि अलग अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के पास राष्ट्रीय एकता शिविर वह मंच है, जिसमें वे खेलकूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा से लेकर संस्कृति से जुड़ेंगे, जिससे स्वयंसेवकों को देश की विविधताओं को जानने का अवसर मिलेगा। साथ ही भाषण प्रतियोगिता, फाइन आर्ट व लिट्रेरी से संबंधित प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी कला का भी प्रदर्शन करेंगे। डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर ही ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। साथ अलग-अलग राज्यों की संस्कृति को समझने का अवसर भी प्रदान करती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने बताया कि यह राष्ट्रीय एकता शिविर स्वयंसेवकों को सीखने का बेहतर अवसर प्रदान करेगा। स्वयंसेवक हमारे देश का भविष्य है और आने वाले समय में भारत को विश्व गुरु बनाने में योगदान देंगे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने अच्छी आदतों को अपनाने व व्यसनों से बचे रहने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने स्वागत किया और अंत में डॉ. चंद्रशेखर डागर ने सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	28-02-23	2	6-8

फूलों से खिली बगिया...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्वर्ण द्वार के समीप खिले मौसम के साथ खिली फूलों की बगिया के समीप से चेहरे पर मुस्कान लिए युवतियां फूलों को निहारती हुई। • जागरण